B.A. Psychology Hons
Part 2 Paper 3
Educational Psychology
Ranking Method

B.A. Part- II
Educational Psychology.(Hons).
PAPER-III.

Q- What is Ranking method? Describe its advantages and limitations.
(कोटि विधि क्या है? इसके प्रमुख गुण एवं दोषों का वर्णन करें।

Ans — शिक्षा मनोविज्ञान में कोटि विधि का भी प्रयोग कुछ खास-खास परिस्थितियों में, जैसे बालकों के आत्मनिष्ठ शीलगुणों का अध्ययन में किया गया है। Reilly & Lewis के अनुसार कोटि-विधि का प्रयोग कुछ आत्मनिष्ठ शीलगुणों जैसे ईमानदारी तथा नैतिक एवं चारित्रिक शीलगुणों के अध्ययन में एक अन्तर्मानदर विधि के रूप में की जाती है। इस विधि में शिक्षक बालकों को या शिक्षार्थियों को दिए गए शीलगुणों के आधार पर उच्च कोटि से निम्नकोटि की दिशा में श्रेणीकरण करते हैं जैसे- शिक्षक बालकों को ईमानदारी के शीलगुण पर श्रेणीकरण करते हुए कोटि 1, 2, 3, आदि के रूप में श्रेणीकरण कर सकते हैं। कोटि-1 में अधिकतम ईमानदारी दिखानेवाले बालक को, कोटि-2 में उससे कम ईमानदारी दिखाने दिखानेवाले बालक को, कोटि-3 में उससे कम ईमानदारी दिखानेवाले बालक को इसी तरह से सबसे अंतिम कोटि में उस छात्र को रखा जा सकता है जिसमें ईमानदारी का गुण सबसे कम हो। इस विधि को Method of rank order भी कहा जाता है। शिक्षक इस विधि द्वारा छात्रों के शीलगुणों का अध्ययन तभी करते हैं। जब छात्रों की संख्या कम होती है। जब छात्रों की संख्या कम होती है।
Cattell and Skinner ने कहा है कि यदि कोटि विधि का उपयोग उस परिस्थिति में किया जाता है जिसमें बालकों की संख्या अधिक होती है, तो इस विधि की reliability पर कुप्रभाव पड़ता है। Ranking कर लेने के बाद प्राप्त आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण किया जाता है और एक निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है। जैसे- शिक्षक 10 बालकों को व्यक्तित्व के दो शीलगुणों अर्थात- Responsibility and Punctuality पर 1, 2, 3, से 10 कोटि तथा Ranking करते हैं।

Scanned with CamScanner